□□□□□ □□□□

जनसत्ता 15 सतिंबर, 2014: कुछ वाक्ये ऐसे होते हैं या कुछ खबरें ऐसी होती हैं, जनिके सुन कर आप सन्न रह जाते हैं, मानो दलि की ध□कन ही रुक गई हो□ ऐसा ही कुछ हुआ □च□मटी घ□यिों का उत्पादन बंद होने की खबर मलिने केबाद□ मेरे जैसे अनेकलोगों की मानो 'ध□कन' ही बंद हो गई, जनि्होंने अपनी क्लाई पर सबसे पहले □च□मटी की घ□ी बांधी थी□ इस घ□ी का जन्म भी मेरे ही जन्म वर्ष यानी 1961 में हुआ□ इसलि□ मुझे तो यह और अधकि क्चोटता है कि इस नायाब और गुणवत्ता से परपिूर्ण उत्पाद को असमय यमराज केद्वार पर धक्केल दयिा गया है□

भारतवर्ष केअधे□ों की बहुत सारी मीठी यादें □च□मटी से जु□ी हैं□ □कतो घ□ी की वजह से, दूसरे इसकेशक्तशिाली ट्रैक्टरों की वजह से□ जसि तरह □च□मटी की घ□यिां हमारे यहां समय का पर्याय हो गई थीं, उसी तरह खेती-कसिानी में इस कंपनी केट्रैक्टरों ने अपनी जगह बना रखी थी□ इसका आक्लन शायद ही कहीं हुआ हो कि भारत की हरति क्रांति में □च□मटी केट्रैक्टरों का क्या योगदान रहा□

मुझे याद है कि दसवीं कक्षा की परीक्षा केबाद गरमी की छुट्टयिों में वार्षकियात्रा पर अपने पैतृकनविास पर गया था□ उन्हीं दनिों मेरे दादा ने □कदनि अपनी ब□ी-सी तजिोरी से □कछोटा-सा डबि्बा नकिाला और उसमें से नकिाल कर □च□मटी की घ□ी मुझे भेंट की थी□ मां कहती हैं कि उनकेसभी पोतों में से इस घ□ी को प्राप्त करने का सौभाग्य केवल मेरा रहा□ इस भेंट से भी महत्त्वपूर्ण उनका संदेश था, जो मैं भुला□ नहीं भूलता कि यह घ□ी कभी गलत समय नहीं बताती और तुम्हें याद रखना है कि कभी तय समय से देर न हो और कोई गलत काम न करो□ लगभग चालीस वसंत बाद भी वह घ□ी मैंने सहेज कर रखी है और अब भी उसकी ध□कन बरकरार है□

उन दनिों □च□मटी की घ□ी भेंट में प्राप्त करना या भेंट स्वरूप देना □करविाज-सा बन चला था□ तब शायद ही कोई ऐसी शादी होती होगी, जसिमें वर-वधू ने □च□मटी की घ□ी न पहनी हो□ इसकेवभिन्नि मॉडल- सोना, जनता और वजिय वशिषेकर पसंद कि□ जाते थे□

□कबार हम कॉलेज से □कदल केरूप में नेपाल घूमने ग□ □ काठमांडो उस समय ताइवान नरि्मति वस्तुओं का ग□ हुआ करता था और सभी यात्रयिों को वहां से छोटी-छोटी इलेक्ट्रॉनकिवस्तु□ और घ□यिां लाने का शौकहोता था□ मुझे अच्छी तरह याद है कि मैंने भी □कप्लास्टकिकी घ□ी खरीदने का फैसला कयि□ घ□ी खरीदते हु□ दुकानदार से पूछा कि यह ठीकटाईम तो देगी? दुकानदार ने तपाकसे कहा- साहब आपकेयहां तो दुनयिा की सबसे अच्छी घ□ी बनती है □च□मटी□ उसका मुकाबला तो यह घ□ी नहीं कर सक्ती□

मेरे खयाल में □च□मटी अपने समय का बहुत दुर्लभ साझा उद्यम यानी ज्वाइंट वैंचर था, जसिे तकनीकी सहायता जापान की सटिजिन घ□ी नरि्माताओं से प्राप्त हुई□ जाहरि है कि इसकी गुणवत्ता वशि्वस्तरीय रही□ मगर चाबी भरने वाली घ□यिों केयुग की समाप्त सत्तर केदशक में हो गई, जब □च□मटी ने अपनी ऑटोमैटकि और क्वार्ट्ज घ□यिों का उत्पादन शुरू कयि□

सभी सरकारी संयंत्रों और वभिागों की तरह □च□मटी भी उदासीनता का शकिार हुई□ उदारीकरण केदानव केसामने यह ननि्ही-सी जान कब तकटकि रह

पाती□ ब□-ब□ औद्योगिकघरानों द्वारा निर्मित घ□ियों केइतने विज्ञापन बाजार में आ□ कि□ च□मटी की घ□ियां उस कोलाहल में कहीं दब-सी गईं□ 'देश की ध□कन' कही जाने वाली □च□मटी घ□ियों को ग्रहण लग गया और उसे ऐसा लगने लगा कि किसी बाइपास की आवश्यकता है□ मगर देश की पहचान की किसे फिक्र थी□ यहां तो देशी और विदेशी पूंजीपतियों को निवेश का न्योता देने की अंधाधुंध दौ□ शुरू हो चुकी थी□ नई सदी की शुरुआत में □क बार फिर □च□मटी की घ□ियों को दुबारा बाजार में लाने की छोटी-सी कोशिश हुई, लेकिन तब तककाफी देर हो चुकी थी□ जहां देश केबाबू साठ-पैंसठ सालों में देश की गरीबी दूर नहीं कर सके, सभी नागरिकों को शिक्षा नहीं दे सके, सभी हाथों को काम नही दे सके, वहां ओमेगा और रोलेक्स पहनने वालों से □च□मटी को जीवनदान देने की कल्पना करना व्यर्थ ही था□

आज किसी मफस्सिल कस्बे में घ□ीसाज केयहां कोई □च□मटी घ□ी देखता हूं या अपनी घ□ी में चाबी भरता हूं, तो बचपन की बहुत सारी यादें ताजा हो जाती हैं□

□च□मटी तुम्हारा धन्यवाद कि तुम देश की ध□कन बनी□ अब जहां रहो, प्रसन्न रहो□

फेसबुकपेज को लाइककरने केलि□ क्लिककरें- https://www.facebook.com/Jansatta

ट्विटिर पेज पर फॉलो करने केलि□ क्लिककरें- https://twitter.com/Jansatta